संख्या-238/2021/421/41-2021-94(बजट)/2018

प्रेषक,

गिरिजापति द्विवेदी,
उप सचिव,
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

महानिदेशक,
पर्यटन, उ0प्र0
लखनऊ

पर्यटन अनुभाग लखनऊ, दिनांक 17 मार्च, 2021

विषय- वित्तीय वर्ष 2020-21 में 03-पर्यटन सूचना एवं प्रचार-19-विज्ञापन, बिक्री एवं विख्यापन मद में बची हुई धनराशि की स्वीकृति।

महोदय,

कृपया उपर्युक्त विषयक अपने पत्र सं0-5534/4-1-1/(बजट)/प्र0/2017-18, दिनांक 21 जनवरी, 2021 का सन्दर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें।

2. वित्तीय वर्ष 2020-21 में अनुदान संख्या-44 के अन्तर्गत लेखा शीर्ष "3452-पर्यटन-80-सामान्य-800-अन्य व्यय-03-पर्यटन सूचना एवं प्रचार-19-विज्ञापन, बिक्री एवं विख्यापन" मद में प्रावधानित धनराशि रू0 700.00 लाख में से वित्त (आय-व्ययक) अनुभाग-1, उत्तर प्रदेश शासन के कार्यालय ज्ञाप संख्या-1/2020/बी-1-149/दस-2020-231/2020, दिनांक 24 मार्च 2020 में दिये गये निर्देश, शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन पर्यटन अनुभाग, उ0प्र0 शासन के शासनादेश संख्या-133/2020/1215/41-2020-94(बजट)/2018, दिनांक 11 जून 2020 द्वारा रू0 350.00 लाख की धनराशि को महानिदेशक पर्यटन के निवर्तन पर रखी गयी थी।

3. इस सम्बन्ध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2020-21 में 03-पर्यटन सूचना एवं प्रचार-19-विज्ञापन, बिक्री एवं विख्यापन मद में प्रावधानित धनराशि रू0 700.00 लाख के सापेक्ष अवशेष बची धनराशि रू0 310.00 लाख (रूपये तीन करोड़ दस लाख मात्र) को महानिदेशक, पर्यटन के निवर्तन पर रखे जाने की, निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

(1) निवर्तन पर रखी जा रही धनराशि का व्यय वित्त (आय-व्ययक) अनुभाग-1 के कार्यालय-ज्ञाप संख्या-1//2020/बी-1-149/दस-2020-231/20120, दिनांक 24 मार्च,2020 में निहित शर्तों एवं प्रतिबन्धों का अनुपालन सुनिश्चित करते हुए किया जायेगा तथा निवर्तन पर रखी जा रही धनराशि जिस कार्य/मद हेतु प्रदान की जा रही है उसका उपयोग नियमानुसार उसी कार्यमद हेतु किया जायेगा, अर्थात स्वीकृत धनराशि का व्यय किसी अन्य मद/प्रयोजन हेतु नहीं किया जायेगा। विभिन्न मदों में स्वीकृत धनराशि का व्यावर्तन तथा पुनर्विनियोजन शासन की पूर्व अनुमति से ही

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.gov.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.gov.in

किया जायेगा। उक्त मदों में निवर्तन पर रखी जा रही धनराशि के व्यय प्रदेश में प्रभावी आदर्श चुनाव आचार संहिता के प्रावधानों का अक्षरश: अनुपालन सुनिश्चित करते हुए ही किया जायेगा।

(2) विज्ञापन, प्रकाशन एवं प्रदर्शनी मद में निवर्तन पर रखी जा रही धनराशि व्यय किये जाने के पूर्व इन मदों के अन्तर्गत पूर्व वर्षों में कराये गये कार्यों का कार्यवार विवरण प्रस्तुत किया जायेगा तथा उस पर सक्षम स्तर से नियमानुसार अनुमोदन प्राप्त होने की पुष्टि कर ली जायेगी एवं तदोपरान्त भौतिक सत्यापन सुनिश्चित करते हुए संगत वित्तीय नियमों के परिप्रेक्ष्य में क्रमवार अवशेष भुगतान किया जायेगा। वित्तीय वर्ष 2020-21 में इन मदों के सापेक्ष प्रस्तावित कार्य योजना बजट की उपलब्धता के अनुसार ही तैयार किया जायेगा और यदि अपरिहार्य स्थितियों में बजट की सीमा से अधिक व्यय का अनुमान हो तो संगत नियमों के अन्तर्गत औचित्यपूर्ण प्रस्ताव शासन को उपलब्ध कराते हुए अनिवार्य रूप से अनुमोदन प्राप्त कर लिया जायेगा।

(3) प्रस्तर-2 में निवर्तन पर रखी जा रही धनराशि का आवंटन मात्र किसी प्रकार के व्यय करने का प्राधिकार नही देता है। अत: जिन मामलों में उ0प्र0 बजट मैनुअल और वित्तीय नियम संग्रह तथा स्थायी आदेशों के अन्तर्गत राज्य सरकार/केन्द्र सरकार अथवा अन्य सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति प्राप्त की जानी आवश्यक हो, उन मामलों में धनराशि व्यय करने के पूर्व अनिवार्य रूप से मदवार व्यय विवरण शासन को उपलब्ध कराते हुए सक्षम स्तर का अनुमोदन प्राप्त करने के पश्चात ही व्यय सुनिश्चित किया जाय।

(4) निवर्तन पर रखी जा रही धनराशि में से नियमानुसार व्यय किये जाने हेतु आवश्यक धनराशि को कोषागार से आहरित कर आहरण के बाउचर संख्या एवं तिथि की सूचना शासन एवं महालेखाकार, प्रयागराज को अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित किया जायेगा। निवर्तन पर रखी जा रही धनराशि के समक्ष किये गये व्यय पर नियन्त्रण के सम्बन्ध में शासनादेश सं0 बी-1-1195।/दस-16/94, दिनांक 06 जून, 1994 द्वारा निर्गत निर्देशों का कड़ाई के साथ अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।

(5) व्यय प्रबन्धन एवं शासकीय व्यय में मितव्ययिता के सम्बन्ध में वित्त विभाग द्वारा समय-समय पर जारी आदेशों का विशेष रूप से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय। इसके साथ-साथ राजकीय धन व्यय करने में उ0प्र0 बजट मैनुअल के प्रस्तर-12 में दी गयी शर्तों की पूर्ति तथा वित्तीय औचित्य के मानकों (स्टैण्डर्डस आफ फाइनेन्शियल प्रोप्राइटी) का अनुपालन भी सुनिश्चित किया जाय।

(6) निवर्तन पर रखी जा रही धनराशि के सापेक्ष एकमुश्त आहरण न किया जाय। विभाग के कार्य की प्रकृति एवं आवश्यकता के अनुसार सम्भावित व्यय की फेजिंग की जाय तथा यथासम्भव व्यय की फेजिंग वित्तीय वर्ष की अवधि के लिए समान रूप से ही की जाय।

(7) निवर्तन पर रखी जा रही धनराशि का व्यय सुनिश्चित करने के पूर्व महालेखाकार एवं आन्तरिक लेखा परीक्षा के रिपोर्टों/प्रतिवेदनों/आपत्तियों को अनिवार्य रूप से दृष्टिगत रखते हुए उनका समाधान करने के पश्चात ही नियमानुसार व्यय सुनिश्वित किया जायेगा ।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.gov.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.gov.in

4- प्रस्तर-3 में निवर्तन पर रखी जा रही धनराशि पर होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2020-21 के आय-व्ययक के अनुदान संख्या-44 के राजस्व लेखा शीर्ष-3452-पर्यटन-80-सामान्य-800-अन्य व्यय-03-पर्यटन सूचना एवं प्रचार-19-विज्ञापन, बिक्री एवं विख्यापन" मद के नामे डाला जायेगा।

5- प्रस्तर-3 में निवर्तन पर रखी जा रही धनराशि की स्वीकृति वित्त (आय-व्ययक), उ0प्र0 शासन के कार्यालय-ज्ञाप संख्या-1/2020/बी-1-149/दस-2020-231/2020, दिनांक 24 मार्च, 2020 के द्वारा प्रशासकीय विभाग को प्रतिनिधानित अधिकारों के अन्तर्गत निर्गत किये जा रहे हैं।

भवदीय

(गिरिजापति द्विवेदी)
उप सचिव।

<u>संख्या एवं दिनांक तदैव।</u>

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:

1- प्रधान महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी) प्रथम/द्वितीय, उ0प्र0, प्रयागराज।
2- महालेखाकार (लेखा परीक्षा) प्रथम/द्वितीय, उ0प्र0, प्रयागराज।
3- संयुक्त निदेशक, पर्यटन निदेशालय, लखनऊ।
4- वित्त नियंत्रक, पर्यटन निदेशालय, लखनऊ।
5- मुख्य कोषाधिकारी, जवाहर भवन, लखनऊ।
6- वित्त (व्यय-नियंत्रण)अनुभाग-7
7- वित्त (आय-व्ययक)अनुभाग-1/2
8- गार्ड-फाइल।

आज्ञा से,

(गिरिजापति द्विवेदी)
उप सचिव।

http://shasanadesh.up.gov.in

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं है ।
2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.gov.in से सत्यापित की जा सकती है ।